CCE RF
CCE RR

ಕರ್ನಾಟಕ ಪ್ರೌಢ ಶಿಕ್ಷಣ ಪರೀಕ್ಷಾ ಮಂಡಳಿ, ಮಲ್ಲೇಶ್ವರಂ, ಬೆಂಗಳೂರು – 560 003

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD, MALLESWARAM, BANGALORE – 560 003

ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪರೀಕ್ಷೆ, ಮಾರ್ಚ್ / ಏಪ್ರಿಲ್, 2016

S. S. L. C. EXAMINATION, MARCH / APRIL, 2016

ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

MODEL ANSWERS

ದಿನಾಂಕ : 30. 03. 2016] ಸಂಕೇತ ಸಂಖ್ಯೆ : **06-H**

Date : 30. 03. 2016] **CODE NO. : 06-H**

ವಿಷಯ : ಪ್ರಥಮ ಭಾಷೆ — ಹಿಂದಿ

Subject : First Language — HINDI

(ಹೊಸ ಪಠ್ಯಕ್ರಮ / New Syllabus)

(ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ + ಪುನರಾವರ್ತಿತ ಶಾಲಾ ಅಭ್ಯರ್ಥಿ / Regular Fresh + Regular Repeater)

[ಪರಮಾವಧಿ ಅಂಕಗಳು : 100

[Maximum Marks : 100

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
	विभाग "A"	
	गद्य, पद्य, पोषक अध्ययन - (67 अंक)	
I.	**एक** वाक्य का उत्तर :	11 × 1 = 11
1.	पुरुषोत्तम का घर दिल्ली में था ।	1
2.	अंजन बारीक चीजों को देखने के लिए उपयोगी है ।	1
3.	गाँधीजी का पूरा नाम मोहन दास करमचंद गाँधी था ।	1
4.	लाला झाऊलाल की पत्नी ने उनसे ढाई-सौ रुपये की माँग पेश की इससे उनका जी सनसनाया ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
5.	हंपी (विजयनगर) की यात्रा के कारण वेंकटराव के जीवन में परिवर्तन आया ।	1
6.	केवट की बातें प्रेम में लपेटे हुए संकोच से भरे थे ।	1
7.	मीरा दर्द के मारे दर-दर की ठोकरें खाती हुई भटक रही थी ।	1
8.	कवि ने चिड़िया से मिठास माँगा ।	1
9.	बड़े भाई और छोटे भाई में पाँच साल का अंतर था ।	1
10.	1931 में इरविन समझोता चल रहा था ।	1
11.	आज के युग को विज्ञान का युग कहते हैं ।	1
II.	**दो-तीन** वाक्यों में उत्तर :	9 × 2 = 18
12.	गीत के गायकों को, चंडी-सप्तशती के पाठकों को, भागवत् के भक्तों को, सत्यनारायण-कथा के प्रेमियों को, रामायण के अनुरागियों को, महाभारत के कथा माननेवालों को रुपया अपनी शरण में आने के लिए कहता है ।	2
13.	गाँधीजी 4 सितंबर, 1888 ई० में बैरिस्टरी करने के लिए विलायत गये । वहाँ 'टालस्टाय' और 'रस्किन' की पुस्तकों का अध्ययन किया । साथ ही गीता, बाइबल आदि का चिंतन-मनन से धार्मिक भावों को और भी दृढ़ कर दिया ।	2
14.	मानवाधिकार के अंतर्गत अठारह वर्ष से कम उम्र के बच्चे भी आते हैं, बच्चों के मूल अधिकार से वंचित उन्हें काम पर लगाने का अर्थ है उन्हें अंधकार में ढकेलना – यह भी एक हत्या के समान ही होता है ।	2
15.	मनु ऋषि ने नारी के बारे में कहा है – "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्रफलाः क्रियाः" अर्थात् जहाँ स्त्रियों की पूजा होती वहाँ देवताओं का वास होता है । जहाँ नारी की पूजा नहीं होती वहाँ सभी क्रियाएँ निष्फल होती हैं ।	2
16.	स्वच्छ शिला पर लक्ष्मण बैठा है और वह पर्णकुटी की रक्षा करने के लिए बैठा है ।	2
17.	मानव के तन-मन पर समाज की गंदी स्थिति, बुराइयाँ, कुरीतियों के अंधविश्वास ने आघात किया है ।	2
18.	जब सब बोलते थे तो पिछड़ा आदमी चुप रहता था । जब सब चलते तो वह पीछे रह जाता था ।	2
19.	दोनों भाइयों में जब एक दर्जे का अंतर रहा तो बड़े भाई बहुत कुछ नरम पड़ गये । डाँटने का अवसर मिलने पर भी धीरज से काम लिया । लगने लगा था कि उन्हें छोटे भाई को डाँटने का अधिकार ही नहीं रहा था या रहा तो बहुत कम ।	2
20.	विज्ञान ने आज मानव को यंत्रवत् बना दिया है । आण्विक अस्त्र-शस्त्रों से संपूर्ण मानव जीवन को विनाश की ओर ले जा रहा है । विनाश का ऐसा खगार है, जहाँ से आगे जाने का अर्थ होगा – 'सर्वनाश' ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
III.	संदर्भ सहित व्याख्या :	4 × 3 = 12
21.	i) सच्चा धर्म	$\frac{1}{2}$
	ii) सेठ गोविंद दास	$\frac{1}{2}$
	iii) रहमान ने दिलवार खाँ से कहा ।	$\frac{1}{2}$
	iv) पुरुषोत्तम सांभाजी को अपना भानजा कहता है तो दिलावर खाँ को उस पर शक होने के कारण एक साथ एक ही थाली में खाना खाने के लिए कहता है तो मान जाता है । तो रहमान बेग के दिलावर खाँ से संशय दूर हुए के भाव से कहा ।	$1\frac{1}{2}$
22.	i) रुपया बोलता है	$\frac{1}{2}$
	ii) पांडेय बेचन शर्मा उग्र	$\frac{1}{2}$
	iii) रुपये ने कहा समाज के लोगों से कहा ।	$\frac{1}{2}$
	iv) लेखक रुपये के वोभत्स रूप के बारे में बताते हुए किस प्रकार हम सब मनुष्य रुपये के गुलाम हैं और रुपया बोलने लगेगा तो समाज कैसा रहेगा उसे बताया है ।	$1\frac{1}{2}$
23.	i) केवट प्रसंग	$\frac{1}{2}$
	ii) तुलसीदास	$\frac{1}{2}$
	iii) जब राम केवट से नदी पार कराने के लिए कहते हैं तो उसे आनंद होता है और वह प्रेम और आनंद से भरकर भगवान के चरण कमल धोने लगता है । तो उस समय सब देवता फूल बरसाकर आशीर्वाद देने लगे कि उसके समान पुण्य राशि कोई नहीं है ।	2
24.	i) मीरा के पद	$\frac{1}{2}$
	ii) मीराबाई	$\frac{1}{2}$
	iii) मीरा अपने प्रिय कृष्ण की दीवानी बन गई है । मीरा कहती है कि उसका जीवन काटों से भरी सेज के समान है, उसका दर्द ता सिर्फ कृष्ण ही जानते हैं । जैसे घायल की गति घायल ही जानता है, जौहरी की गति जौहरी ही जानता है ।	2

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
IV.	लेखक / कवि परिचय :	$2 \times 3 = 6$
25.	डॉ० इकबाल	
	i) 1873-1938	$\frac{1}{2}$
	ii) उर्दू साहित्य के सर्वश्रेष्ठ कवि, पूरा नाम मुहम्मद इकबाल नूर मुहम्मद शेख है । लंदन विश्वविद्यालय के कला के स्नातक थे । विधि पदवी प्राप्त कर के बैरिस्टर बने । जर्मनी के म्यूनिख विश्वविद्यालय से आपने पी-एच०डी की उपाधि प्राप्त की । उनके अप्रतिम काव्य प्रतिभा के कारण आपको ''अल्लामा'' उपाधि से सम्मानित किया गया । अल्लामा का अर्थ महान् पंडित है ।	$2\frac{1}{2}$
26.	श्री हरिशंकर परसाई	
	i) 1924 में इनका जन्म हुआ ।	$\frac{1}{2}$
	ii) व्यंग्य कहानियाँ भोलाराम का जीव, चावल से हीरों तक, कचरे में, एक बेकार घाव, सड़क बन रही है, पोस्टरी एकता, भाइयों और बहिनों, निठल्ले की डायरी, एक फरिश्ते की कथा आदि ।	1
	iii) एम०ए० के बाद अध्यापक बने । बाद में व्यंग्य साहित्य लिखने लगे । सभी क्षेत्रों के विसंगतियों का परिहास किये हैं । व्यंग्य साहित्य के शिखर पुरुष कहलाते हैं ।	$1\frac{1}{2}$
V.	पद्य भाग :	4
27.	राग से बाँधे चल आकाश, राग से बाँधे चल पाताल, धंसा चल अंधकार को भेद राग से साधे अपनी चाल !	4
	अथवा	
	आसरा मत ऊपर का देख सहारा मत नीचे का माँग यही क्या काम तुझको वरदान कि तेरे अन्तस्तल में राग ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
VI.	पद्य भाग सारांश :	4
28.	कवि बिहारी आडंबर पूर्ण भक्ति का खंडन करते हुए कहते हैं कि किसी जप मणि माला लेकर स्मरण करने तथा मस्तक एवं शरीर के अन्य अंगों पर तिलक छापने से काम नहीं हो पाता । ऐसे भक्त कच्चा और चंचल होता है । भगवान (राम) तो केवल अच्छे हृदय में निवास करते हैं । कच्चा मन तो काँच के समान होता है जो कभी भी टूट सकता है ।	4
	अथवा	
	मा, मैंने माखन नहीं खाया । प्रातःकाल से ही गाय चराने गया था और शाम को ही लौटा । सब बालकों में मैं छोटा हूँ, माखन का घड़ा तो ऊपर छींके पर टँगा होता है मैं कैसे पहुँच सकता हूँ । ऐसे श्रीकृष्ण माखन न खाने का विवरण देते हुए कहते हैं ।	
VII.	**छः-आठ** वाक्यों में उत्तर :	2 × 4 = 8
29.	अंगरेज को ऐतिहासिक और पुरानी चीजों को संग्रहण करने का शौक था । तो बिलवासी जी उसे जानकर उस लोटे को ऐतिहासिक और प्रसिद्ध लोटा कहा और उसको पाने के संसार भर के लोग म्यूज़ियमों में तलाश रहे हैं । बादशाह हुमायूँ शेरशाह से हारकर भागा था । उस समय एक ब्राह्मण ने उसे लोटे से पानी पिलाया था । बाद में अकबर ने उस ब्राह्मण को दस सोने के लोटे दिये थे । अकबर को वह लोटा बहुत प्यारा था, वह उसी से वजू करता था । 57 तक लोटा शाही घराने में ही रहने का पता है । बाद में लापता है । कलकत्ते के म्यूजियम में इसका प्लास्टर का माडल रखा हुआ है । पता नहीं इस आदमी के पास कैसे आया । म्यूजियम वालों को पता चले तो फेंसी दाम देकर खरीद लेंगे, मैं भी इसे खरीदने तैयार हूँ, ऐसे कहते ही उस अंग्रेज ने पाँच सौ (500) रुपये देकर उस लोटे को खरीद लिया ।	4
	अथवा	
	गाँधीजी दक्षिण अफ्रिका से भारत आते ही गोखले जी की सलाह मानकर भारत का भ्रमण आरंभ कर दिया । वीरमगाम में जकात के संबंध में जनता बड़ी दुखी थी । आपने उनका दुख वायसराय के सामने रखा । वायसराय ने इन शिकायतों पर उचित ध्यान दिया । इससे काठियावाड़ तथा भारत की जनता गाँधीजी की ओर आकृष्ट हुई ।	

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
30.	विद्यावर्धक संघ की प्रगति के लिए वेंकटरावजी ने कन्नड़ अध्यापकों से संपर्क बढ़ाया । संघ के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया । इससे संघ में प्राण का संचार होने लगा । वेंकटरावजी ने रियासतों में बंटा हुआ प्रदेशों का एकीकरण करने की कोशिश की । संघ की मुख पत्रिका की संपादना वे करने लगे । 1906 में वे संपादक बने, 1907 में फरवरी में पत्रिका वे जरासंध की देह के टुकड़ों में जो सम्मिलन शक्ति थी वह कन्नड़ भाषी निर्जीव प्रदेशों में अपने आप सम्मिलित होने की शक्ति कर्नाटकियों पर है ऐसे कहा । खण्डित कर्नाटक को अखण्ड कर्नाटक में परिवर्तन किया । भुवनेश्वरी के श्री चरणों में पहला राज्योत्सव मनाया । हर वर्ष मनाये जानेवाले कर्नाटक राज्योत्सव का शुभारंभ इन्होंने किया । 1907 में हुए कर्नाटक विद्यावर्धक संघ के अधिवेशन में लेखक, शिक्षक, शिक्षाधिकारियों ने भाग लिया । छः वर्ष के सतत् प्रयत्न से भारत रत्न एम० विश्वेश्वरय्या की सहानुभूति से 1914 में एक अखिल भारतीय कन्नड़ सम्मेलन बेंगलूरु में संपन्न हुआ । कन्नड़ साहित्य परिषद् की स्थापना हुई । इस प्रकार वेंकटरावजी संघ के द्वारा अनेक काम साहित्य क्षेत्र में किये ।	4
	अथवा	
	गरीब घरों में माता-पिता अपने बच्चों का पालन पोषण करने में असमर्थ होते हैं । वे अपने बच्चों को संपन्न परिवारों में नौकर के रूप में रख देते हैं । आज भी घरों में बाल श्रमिक होते है । 'आल इंडिया सर्वीस कंडक्ट रूल्स' मैं ऐसा कोई नियम नहीं है जो घरों में बाल नौकरों के संबंध में दखल दें । इसलिए पुराने जमाने की भाँति आज भी धनी परिवारों में बच्चों को नौकर के रूप में रखे जाते हैं । देहातों में बहुत से गरीब बच्चे पशु चराने का कार्य किया करते थे ।	4
VIII.	**छः-आठ** वाक्यों में उत्तर :	
31.	गोपिकाएँ मधुवन से पूछती हैं कि कृष्ण के बिना तुम कैसे हरे-भरे हो, कृष्ण के वियोग से क्यों नहीं जले, पेड़ के नीचे तुम्हारे सहारे खड़े होकर बाँसुरी बजाते थे । जड़-चेतन सब मुरली नाद से मुग्ध हो जाते थे । मुनि जनों का ध्यान तक हट जाता था । यह सब भूलकर तुम बार-बार पुष्प देते हो । यह कैसे हो सकता है हम तो विरह से जल रहे हैं ।	4
	विभाग "B"	
	व्याकरण, अलंकार, छन्द - (20 अंक)	
IX.	सही उत्तर चुनना :	10 × 1 = 10
32.	(A) आसमान	1
33.	(C) बालिका	1
34.	(B) अवसान	1
35.	(D) दीर्घ संधि	1
36.	(A) बेसुरा	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर	अंक
37.	(B) मानवता	1
38.	(C) भुजाएँ	1
39.	(A) बुलाना	1
40.	(C) धीरे-धीरे	1
41.	(D) संयुक्ताक्षर	1
X.	तीसरे पद से संबंधित पद :	4 × 1 = 4
42.	द्वंद्व समास	1
43.	सर्वनाम	1
44.	यण् संधि	1
45.	समास	1
XI.	छन्द पहचानिए :	3
46.	। । ऽ ऽ ऽ ऽ । । । । ऽ । ऽ ऽ ऽ ऽ जपमाला छापै तिलक, सरै न एकौ कामु 13 11	$1\frac{1}{2}$
	यहाँ कुल मिलाकर 24 मात्राए हैं । यह विषम मात्रिक छंद है । 'दोहा छंद' है । दोहा छंद में चार चरण 48 मात्राएँ होती हैं पर दो चरणों में लिखा जाता है । पहले और तीसरे चरण 13-13 मात्राएँ और दूसरे और चौथे चरण में 11-11 मात्राएँ होती हैं ।	$1\frac{1}{2}$
47.	अलंकार पहचानिए :	3
	कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय "कनक" शब्द का दो बार प्रयोग हुआ है लेकिन दोनों का अर्थ अलग-अलग है ।	$1\frac{1}{2}$
	कनक → धतूरा कनक → सोना एक कनक नशीला चीज़ है जिसे खाने से आदमी (मादक) पागल हो जाता है । दूसरा कनक सोना है जिसे पाने से (धनिक) पागल सा बन जाता है । एक ही शब्द का दो अर्थ आने से वह "यमक" अलंकार है ।	$1\frac{1}{2}$
	विभाग – "C" **रचना - (13 अंक)**	
XII.	अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग :	$2 \times 1\frac{1}{2} = 3$
48.	a. ओझल हो जाना : गायब होना	$\frac{1}{2}$
	पुलिस को देखते ही चोर ओझल हो जाता है ।	1
	b. हरित तृण : हरी घास	$\frac{1}{2}$
	हरित तृण की नोकों से धरती भी झूम उठती है ।	1

प्रश्न संख्या	सही उत्तर		अंक
XIII.	पत्र लेखन :		1 × 5 = 5
49.	छुट्टी पत्र :		
	स्थान :	$\frac{1}{2}$	
	दिनांक :	$\frac{1}{2}$	
	से (प्रेषक) $\frac{1}{2}$		
	को $\frac{1}{2}$		
	संबोधन $\frac{1}{2}$		
	विषय :	$\frac{1}{2}$	
	कलेवर (Body of the letter)	1	
	समापन :	$\frac{1}{2}$	
	हस्ताक्षर :	$\frac{1}{2}$	5
	अथवा		
	पिताजी के नाम पत्र :		
	स्थान :	$\frac{1}{2}$	
	दिनांक :	$\frac{1}{2}$	
	संबोधन : $\frac{1}{2}$		
	कलेवर (Body of the letter)	2	
	को पता $\frac{1}{2}$ समापन :	$\frac{1}{2}$	
	हस्ताक्षर :	$\frac{1}{2}$	
XIV.	निबंध लेखन :		1 × 5 = 5
50.	(i) प्रस्तावना	$\frac{1}{2}$	
	(ii) विषय प्रवेश	1	
	(iii) विषय विस्तार	3	
	(iv) समापन ।	$\frac{1}{2}$	